Nai Dunia (Indore) 10th August 2020, Page-7

आइआइटी में बनेगा 100 करोड़ का टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब

रिसर्च के लिए केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने दिया अनुदान

इंदौर (नईदुनिया रिपोर्टर)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर टेक्नोलॉजी के मामले में एक बड़ा हब बनने जा रहा है। पढ़ाई के साथ ही यहां टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नई रिसर्च को बढ़ावा मिल सकेगा। इसके लिए भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने 100 करोड़ रुपये का अनुदान स्वीकृत किया है। इस राशि से संस्थान में टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब (टीआइएच) बनाया जाएगा जिसमें सिस्टम सिम्युलेशन, मॉडलिंग और सायबर फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) के विजुअलाइजेशन जैसी टेक्नोलॉजी पर बेहतर तरीके से काम हो सकेगा।

इंडस्ट्री और स्टार्टअप के साथ मिलकर काम कर सकेंगे

डॉ. पवन कुमार कांकर ने बताया कि टीआइएच बनने से सायबर फिजिकल सिस्टम के क्षेत्र में ज्यादा बेहतर काम हो सकेगा। इससे कौशल की वृद्धि होगी। टेक्नोलॉजी का विकास होगा और व्यावसायिक क्षेत्र के उत्पाद बनाने में भी आसानी होगी। इनोवेशन हब में डेटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर भी काम होगा। टीआइएच बनने के बाद संस्थान में सिस्टम सिम्युलेशन, मॉडलिंग और सायबर फिजिकल सिस्टम को बेहतर बनाने पर काम हो सकेगा। हब स्थापित होने से इंडस्ट्री और स्टार्टअप के साथ मिलकर योजना बना सकेंगे और इस पर काम कर सकेंगे। रिसर्च एंड डेवलपमेंट, पेटेंट, लाइसेंस सहित कई काम हब में हो सकेंगे।

आत्मनिर्भर भारत के तहत भी काम होगा

टेक्नोलॉजी इनोवेशन हब में इंडस्ट्री की जरूरत के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार होगा। प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। वेबिनार, कार्यशालाएं, सम्मेलन और कई तरह के कार्यक्रम भी होंगे। भारत सरकार के स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के तहत भी काम होगा। आइआइटी के प्रोफेसर्स डॉ. पवन कुमार कांकर, डॉ. भूपेश कुमार, प्रो. अभिनव क्रांति, डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव, प्रो. संदीप चौधरी, डॉ. अंकुर मिगलानी, डॉ. भार्गव वैद्य और डॉ. किरण बाला ने हब बनाने का प्रस्ताव विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को भेजा था। हब बनाने के लिए अनुदान स्वीकृत होने पर आइआइटी इंदौर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन प्रो. दीपक बी. फाटक और संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. निलेश कुमार जैन ने प्रोफेसर्स को बधाई दी।